कर ना सके जो कोई भी | By Jay Shankar Chowdhary

कर ना सके जो कोई भी करके दिखा दिया
सेवक ने अपने मालिक पर कर्जा चढ़ा दिया

सीते से राम बिछड़े हैं
रोए बिलख बिलख कर
मिल न सके जो जीवन भर
पल में मिला दिया

कर ना सके जो कोई भी करके दिखा दिया
सेवक ने अपने मालिक पर कर्जा चढ़ा दिया

लक्ष्मण का हाल देखिये
दुनिया से जा रहे हैं
दीपक जो बुझने जा रहा
फिर से जला दिया

कर ना सके जो कोई भी करके दिखा दिया
सेवक ने अपने मालिक पर कर्जा चढ़ा दिया

लाया उठाके अहिरावन
उनकी बली चढ़ाने
मर जाते दोनो एक साथ
जिंदा बचा लिया

कर ना सके जो कोई भी करके दिखा दीया
सेवक ने अपने मालिक पर कर्जा चढ़ा दिया

रहते थे राम महेलो में
बनवासी हो गए थे
बनवारी फिर अयोध्या का राजा बना दिया

कर ना सके जो कोई भी करके दिखा दिया
सेवक ने अपने मालिक पर कर्जा चढ़ा दिया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a5%8b-%e0%a4%95%e0%a5%8b%e0%a4%88-%e0%a4%ad%e0%a5%80-by-jay-shankar-chowdhary/